



Department of  
Higher Education  
Govt. of Uttarakhand

**DEVBHOOMI  
UDYAMITA YOJANA**



Entrepreneurship  
Development  
Institute of India  
Ahmedabad



## DUY – Print Media Coverage



---

ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT PROGRAM

---

EDP Vol – 2



**PRINT MEDIA COVERAGE**

## श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के देवभूमि उद्यमिता केंद्र द्वारा उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत युवाओं को दिया जा रहा स्वरोजगार सबन्धित प्रशिक्षण

बुलन्द वाणी संजय राजपूत

**देहरादून, ऋषिकेश।** श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के देवभूमि उद्यमिता केंद्र द्वारा युवाओं को स्वरोजगार संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। उत्तराखंड सरकार के देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत, भारतीय उद्यमिता संस्थान, अहमदाबाद के साथ सहयोग से 12-दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। देवभूमि उद्यमिता योजना, की नोडल अधिकारी, प्रोफेसर अनिता तोमर ने बताया कि इस कार्यक्रम के द्वितीय दिन, श्री दीपक चौहान और श्री कार्तिकेय रैना ने नए उद्यमियों के लिए नवाचार को महत्ता, स्टार्टअप, विभिन्न एजेंसियों की भूमिका और योजनाएं, उद्यम की स्थापना के लिए आवश्यकताएं, और व्यावसायिक प्रभाव को पहचान पर विस्तार से चर्चा की। वक्ताओं ने बताया कि आधुनिक युग में उद्यमिता की महत्ता को लेकर जागरूकता में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है और स्टार्टअप के क्षेत्र में नए



नवाचारों को समझने और इसे प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न एजेंसियों को योजनाएं बना रही हैं। उन्होंने कहा कि उद्यमिता के क्षेत्र में काम करने वालों को निवेश, तकनीकी सहायता, बाजार की समझ, जैसी अनेक आवश्यकताओं का सामना करना पड़ता है और इसके लिए व्यावसायिक प्रभाव की पहचान आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि उद्यमिता के क्षेत्र में नए नवाचारों को महत्ता को अधिक से अधिक उद्यमियों और नवाचारों उत्पादों के लिए संबोधित किया जा रहा है।

उद्यमिता के क्षेत्र में नए नवाचारों को पहचानने और समझने के लिए विभिन्न अनुसंधान कार्य किया जा रहा है, जिससे वे समाज में नये और सकारात्मक प्रभाव डाल सकें। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा संस्थानों में उद्यमिता को बढ़ावा देकर स्थानीय लोगों को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि उद्यमिता कावशाला के माध्यम से नए उद्यमियों को जो उद्यम लगाने के इच्छुक हैं, उन्हें हर संभावित सहायता और बाजार की सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि

उद्यमियों को यह समझना चाहिए कि उन्हें किसी भी समय सहानुभूति की उम्मीद नहीं होनी चाहिए और उन्हें उत्पाद की गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं बनाना चाहिए। देवभूमि उद्यमिता केंद्र के मेंटर, प्रोफेसर धर्मेन्द्र तिवारी, ने आज के मुख्य वक्ताओं का परिचय किया और कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए समन्वय किया। डॉ. दीपक चौहान, जो उद्यमिता और सॉफ्ट स्किल्स प्रशिक्षक हैं, के पास 23 साल का व्यापारिक, शैक्षिक और प्रशिक्षण क्षेत्र में अनुभव है।

वर्तमान में उत्तराखंड सरकार और एजेंसि अहमदाबाद (देवभूमि उद्यमिता योजना) के साथ उद्योग विशेषज्ञ और मेंटर के रूप में जुड़े हैं। उन्होंने उद्यमिता और कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से नियमित रूप से बट कैम्प, उद्यमिता अधिविचारस व्यक्तियों, और उद्यमिता विकास कार्यक्रम के प्रति समर्पित हैं। डॉ. कार्तिकेय रैना, आईआईएम जम्मू के एक पूर्व छात्र, और प्रे शिक्षक हैं, जिनके पास हाइड्रोजन और सॉल्टवेयर (एड्ट, डिजिटल ग्रेड बुक, डिजिटल एप्लिकेशंस), आईपीआर, विपणन प्रबंधन,

और डिजिटल मार्केटिंग के शिक्षण अनुभव हैं। उनके कृशल मेन्टोरशिप के तहत 5 छात्रों ने भारत के विभिन्न शहरों में अपना व्यवसाय शुरू किया है। इस संवत् में, श्रीदेव सुमन यूनिवर्सिटी के चॉइस-चांसलर, माननोव प्रोफेसर एन.के. जोशी ने कहा कि देवभूमि उद्यमिता विकास योजना उद्यमिता क्षमता को बढ़ाने का पंच प्रदान करेगा और यह योजना उद्यमिता क्षेत्र में नए प्रेरणादायक उत्पन्न करने में मदद करेगी। उन्होंने सामूहिक जिम्मेदारी का भी जिक्र करते हुए कहा कि प्रत्येक प्रतिभागी को उद्यमिता के क्षेत्र में अपने स्वयं की साकार करने के लिए आत्मविश्वास और हृद संकल्प के साथ काम करना चाहिए। इस अवसर पर उत्तराखंड में बाजार की संभावनाओं और उद्यम की स्थापना करने में होने वाली चुनौतियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। परिसर निदेशक प्रोफेसर सत्यस रावत ने उद्यमिता विकास कार्यक्रम के दूसरे दिन को सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए देवभूमि उद्यमिता योजना पूरी टीम बधाई दी।

# छात्रों को स्वरोजगार की सम्भावनाएं बताई

## 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम शुरू

उत्तर उजाला संवाददाता

**हल्द्वानी।** राजकीय महाविद्यालय किशनपुर गौलापार में उच्च शिक्षा विभाग और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के सहयोग से देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम शुरू हो गया है। उद्यमिता में रुचि रखने वाले छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय युवाओं को अपने उद्यम की शुरुआत करने के उद्देश्य से 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। सोमवार को कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डा. संजय कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्राचार्य डा. संजय कुमार ने कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए सभी को अधिक से अधिक प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। बताया कि आज स्वरोजगार के क्षेत्र में असीम सम्भावनाएं हैं। छात्र-छात्राएं उद्यमिता विकास कार्यक्रम से लाभान्वित होकर स्वरोजगार की नींव डाल कर रोजगार दाता की

भूमिका में आ सकते हैं। इसके अलावा उन्होंने उद्यमिता की अवधारणा, उद्यमी का अर्थ एवं उद्यमी के गुण के बारे में विस्तार से समझाया। वरिष्ठ प्रो. कैलाश चंद कलौनी ने कहा कि भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने में युवा उद्यमियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। वरिष्ठ प्राध्यापक डा. दीप चंद्र पांडेय ने उत्तराखंड में उद्यमिता की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने 12 दिवसीय कैम्प की महत्ता बताते हुए बाजार, स्वरोजगार, प्रतिस्पर्धा, उद्यमिता कौशल को निखारने में प्रशिक्षण कार्यक्रमों की महत्ता को विस्तार से समझाया। कार्यक्रम में भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद से विशेषज्ञ के रूप में राहुल भाम्भानी ने छात्र-छात्राओं को नये उद्यम शुरू करने के लिये प्रेरित किया। देवभूमि उद्यमिता योजना के महाविद्यालय नोडल अधिकारी डा. आशीष अंशु ने उद्यमिता विकास कार्यक्रम के उद्देश्य, राज्य सरकार की नवीन पहल देव भूमि उद्यमिता योजना एवं उद्यमिता प्रशिक्षण के क्षेत्र में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के महत्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान प्रतिभागी छात्र मौजूद रहे।

# स्टूडेंट्स ने ली इंडस्ट्रीज के बारे में पूरी जानकारी



देवभूमि उद्यमिता विकास कार्यक्रम में किया विजिट

[dehradun@inext.co.in](mailto:dehradun@inext.co.in)

**DEHRADUN (16 March):** राजकीय महाविद्यालय देहरादून शहर में चल रहे देवभूमि उद्यमिता विकास कार्यक्रम के आठवें दिन योजना की नोडल डॉ. नीतू बलूनी ने पार्टिसिपेंट्स को इंडस्ट्रियल विजिट करवाया. इस दौरान पार्टिसिपेंट्स ने पल्लवी पटेल द्वारा स्थापित की गई दो इंडस्ट्रीज का विजिट किया.

प्रतिभागियों को दी गई उद्योग संबंधी जानकारी

इंडस्ट्री आर्किटेक्ट फर्नीचर्स से संबंधित इंडस्ट्रियल विजिट भी स्टूडेंट्स ने की. इस दौरान पल्लवी पटेल ने मशीनों द्वारा किस प्रकार काम किया जाता है, इसे प्रतिभागियों को समझाया. इसके अलावा प्रतिभागियों के साथ आयोजित किए गए सत्र में उन्हें पम्फलेट इंडस्ट्री एस्टेब्लिश करने के समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए और कौन सी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, इसके बारे में भी बताया. विजिट के दौरान प्रोग्राम ऑफिसर अभिषेक नंदन भी मौजूद रहे.

## स्वरोजगार के मार्ग पर गलतियों से सीखना होगा

हल्द्वानी। राजकीय महाविद्यालय गौलापार में आयोजित उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत बुधवार को रिसोर्स पर्सन डॉ. प्रकाश चंद मठपाल ने एक सफल उद्यमी की आवश्यकताओं, अवसर और चुनौतियों पर परिचर्चा की। प्रशिक्षुओं से कहा कि उद्यमी को अपने संसाधनों का आकलन करना आवश्यक है। स्वरोजगार के मार्ग पर अपनी गलतियों से सीखना भी बेहद जरूरी है। इस दौरान प्रशिक्षुओं को औद्योगिक भ्रमण के लिए भी ले जाया गया। संवाद

# 12 दिवसीय प्रशिक्षण में छात्र पढ़ रहे हैं उद्यमिता का पाठ

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। राजकीय महाविद्यालय सुद्धोवाला के छात्रों को देवभूमि उद्यमिता योजना का पाठ पढ़ाया जा रहा है। इसके लिए महाविद्यालय में 12 दिवसीय कार्यशाला आयोजित हो रही है। उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के सहयोग से आयोजित कार्यशाला में छात्रों को कौशल विकास कार्यक्रमों का लाभ मिल सकेगा। छात्रों को बिजनेस आइडिया की रिपोर्ट बनाने, ब्रांडिंग, लोगो लेबलिंग और मार्केटिंग आदि की जानकारी दी जा रही है।

देवभूमि उद्यमिता कार्यक्रम के पहले दिन मुख्य वक्ता पल्लवी पटेल रहीं। पल्लवी मोनाल ब्रांड के नाम से गाय के गोबर पर काम करती हैं। सफल उद्यमी के रूप में उत्तराखंड में कार्य कर रही हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एमपी नगवाल ने बताया कि प्रतिभागियों को उद्यमिता के क्षेत्र की संभावनाओं पर जानकारी दी जा रही है।

छात्रों को बताया जा रहा है कि नए दृष्टिकोण से वह उद्यम की संभावनाएं कैसे तलाश कर सकते हैं। कार्यक्रम में पल्लवी पटेल



राजकीय महाविद्यालय सुद्धोवाला में उद्यमिता का पाठ पढ़ रहे छात्र। स्रोत : संस्थान

## आइडिया पिचिंग पर बात की गई

उत्तराखंड में सेनेटरी पैड के क्षेत्र में सफल उद्योग स्थापित कर चुकी प्रिंसी भी कार्यशाला में उपस्थित हुईं। उन्होंने छात्रों से अपने अनुभव साझा किए। प्रोफेसर दीपक चौहान ने एंटरप्रेन्योरशिप एवं लाइफ स्किल पर इंटरएक्टिव सत्र में आइडिया पिचिंग पर बात की। संचालन उद्यमिता योजना की नोडल डॉ. नीतू बलूनी ने किया। कार्यक्रम में प्रोफेसर मेहरा प्रो. कुलदीप रावत, डॉ. उषा, डॉ. पंकज बहुगुणा, डॉ. खाती, डॉ. मनोज, डॉ. प्रतिभा और डॉ. माधुरी आदि उपस्थित रहे।

ने प्रोडक्शन रिटेल सर्विस सेक्टर के बारे में जानकारी दी और बताया कि नवाचार में अवसर कैसे ढूंढे जा सकते हैं।

## छात्रों को उद्यमिता के क्षेत्र में भी बनाया जा रहा दक्ष

देहरादून : राजकीय महाविद्यालय देहरादून शहर के छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के साथ उद्यमिता के क्षेत्र में भी दक्ष बनाया जा रहा है, ताकि डिग्री धारक छात्र-छात्राएं पढ़ाई पूरी होने के बाद स्वरोजगार शुरू कर सकें। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कौशल विकास पर विशेष फोकस किया जा रहा है। ये बातें महाविद्यालय में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. एमपी नगवाल ने कहीं। सुद्धोवाला स्थित महिला प्वालीटेक्निक संस्थान परिसर में संचालित देहरादून शहर डिग्री कालेज में देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत छात्रों को 12 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार से प्रारंभ हुआ। उच्च शिक्षा विभाग व भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद संयुक्त रूप से कौशल विकास कार्यक्रम संचालित कर रहे हैं। देवभूमि उद्यमिता कार्यक्रम की मुख्य वक्ता पल्लवी पटेल ने मोनाल ब्रांड के नाम से गाय के गोबर से बहुउपयोगी वस्तुएं बनाकर एक सफल उद्यमी के रूप में पहचान बनाई है। कार्यक्रम का संचालन उद्यमिता योजना की नोडल अधिकारी डा. नीतू आदि मौजूद रहे। (जासं)

# राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय पैठाणी में शुरू हुआ 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम ( EDP)

गबर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/पैठाणी/श्रीनगर गढ़वाल ( सबसे तेज प्रधान टाइम्स )। उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखण्ड एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के सहयोग से आज दिनांक 1 मार्च 2024 को राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय बनास, पैठाणी पौड़ी गढ़वाल के परिसर में स्थापित देवभूमि उद्यमिता विकास केंद्र में 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम शुरू किया गया। महाविद्यालय में वनस्पति विज्ञान के प्राध्यापक डॉ. प्रकाश फोंदणी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का सफल संचालन किया। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं संरक्षक प्रोफेसर डी.एस.नेगी एवं मुख्य अतिथि स्थानीय युवा उद्यमी नरेंद्र सिंह नेगी ने दीप प्रज्वलित कर इस कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डी.एस.नेगी ने छात्र-छात्राओं को बताया कि आज के समय में सीमित रोजगार को देखते हुए हमें स्वरोजगार की तरफ रुख अपनाना पड़ेगा। उन्होंने बहुत उदाहरणों से छात्र-छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि हमें ईमानदारी से और अपनी



क्षमतानुसार उद्यमिता को अपनाना चाहिए जिससे हम दूसरो को भी रोजगार दे सके। मुख्य अतिथि नरेंद्र सिंह नेगी अपने स्टार्टअप नेगी बेकर्स एवं अपने जीवन की शुरुआत से लेकर वर्तमान तक की उद्यमिता यात्रा एवं अनुभव को विस्तार से छात्र-छात्राओं के समक्ष साझा किया। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से उत्तराखण्ड राज्य के कोऑर्डिनेटर डॉ. सुमित कुमार ने छात्र-छात्राओं से वर्तमान समय की मांग क्या है और हम किस-किस क्षेत्र में स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं, इस

विषय पर अपने विचार साझा किये और उन्हें उद्यमिता की ओर कदम बढ़ाने हेतु प्रोत्साहित किया। महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता योजना के नोडल अधिकारी एवं मेंटर गौरव जोशी ने छात्र-छात्राओं को देवभूमि उद्यमिता योजना के चारे में विस्तार से जानकारी दी तथा कहा कि रोजगार की संभावनाएं स्वरोजगार से ही पैदा होगी उन्होंने यह भी बताया कि स्टार्टअप एवं उद्यमिता के द्वारा हम अन्य लोगों को भी भविष्य में अपने साथ जोड़कर रोजगार दे सकते हैं।

महाविद्यालय में भौतिक विज्ञान के प्राध्यापक डॉ. आलोक कंडारी ने कहा कि उद्यमिता विकसित करने के लिए पांच महत्वपूर्ण मंत्र जैसे ईमानदारी, क्षमता, सुंदरता, बुद्धिमान, धैर्य आदि होने बहुत जरूरी है तब हम अपने व्यवसाय को बाजार तक पहुंचा सकते हैं। प्रतिष्ठित ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय में प्रबंधन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मनदीप असवाल ने बताया कि उद्यमिता के लिए आयडिया, समस्या का समाधान, बिजनेस वैल्यू, ब्रांडिंग, फंडिंग, शिक्षा, प्रोडक्ट, आईटी आदि महत्वपूर्ण बिंदु जरूरी है जिनका उपयोग कर हमें भविष्य में अपनी पहिचान एक अच्छे उद्यमी के रूप में करनी है। इस उद्यमिता विकास कार्यक्रम में राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय पैठाणी के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ स्थानीय उद्यमियों, गणमान्य व्यक्तियों, समाज सेवकों, जनप्रतिनिधियों, प्राध्यापकों, ऑफिस स्टाप आदि ने बढ़-चढ़कर कर प्रतिभाग किया और उद्यमिता से संबंधित अपने आइडिया भी शेयर किये। कार्यक्रम में महाविद्यालय के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी सतीश सिंह, आशीष कश्यप, राहुल रावत, अनूप बिष्ट, पल्लभ नैथानी आदि ने विशेष सहयोग दिया।

# राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय पैठाणी में उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) का तृतीय दिवस

गबर सिंह भंडारी

हरिद्वार/पैठाणी/श्रीनगर गढ़वाल ( सबसे तेज प्रधान टाइम्स )। उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के सहयोग से आज दिनांक 4 मार्च 2024 को राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय बनास, पैठाणी पौड़ी गढ़वाल के परिसर में स्थापित देवभूमि उद्यमिता विकास केंद्र में 12 -दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तृतीय दिवस पर महाविद्यालय के प्राचार्य एवं संरक्षक प्रोफेसर डी.एस.नेगी ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत एवं मार्गदर्शन करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों का भरपूर फायदा उठाए तथा भविष्य में इसे धरातल पर उतारने की कोशिश करनी है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के



रूप उपस्थित राजकीय महाविद्यालय पाबौ के प्राध्यापक डॉ.गणेश चंद ने कहा कि किसी भी उद्यम को स्थापित करने के लिए बाजार का सर्वेक्षण बहुत जरूरी है तथा प्रस्तुतिकरण के माध्यम से बाजार सर्वे प्रश्नावली निर्माण पर अपना वक्तव्य दिया। महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. आलोक कंडारी ने प्रारंभिक व्यवसाय योजना तैयार करके उद्यमिता को हासिल करने के लिए अलग अलग तरीकों से व्याख्यान दिया। महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता योजना के नोडल अधिकारी एवं मेंटर गौरव जोशी

ने कहा कि हमे व्यावसायिक अवसर की पहिचान कैसे करनी है इस पर अपने विचार व्यक्त किए। महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ.प्रकाश फोंदणी ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया तथा प्राध्यापक डॉ.सुधीर कोठियाल ने भी अपने अनुभव शेयर किया। इस उद्यमिता विकास कार्यक्रम में राजकीय व्यवसायिक महाविद्यालय पैठाणी के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ स्थानीय उद्यमियों, गणमान्य व्यक्तियों, समाज सेवको, जनप्रतिनिधियों, प्राध्यापको, ऑफिस स्टाप आदि ने बढ़-चढ़कर कर प्रतिभाग किया है।

## प्रारंभिक व्यवसाय योजना की दी जानकारी

हल्द्वानी। राजकीय महाविद्यालय किशनपुर गौलापार में चल रहे 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम के पंचम दिवस शनिवार को भारतीय उद्यमिता संस्थान से कमल और नमिता (संचालक बाबा एग्रो प्रोडक्ट) ने प्रशिक्षुओं के साथ उद्यमिता में प्रारंभिक व्यवसाय योजना तैयार करने के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा किसी भी उद्यमिता के शुरुआत में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को बनाना अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। एक बेहतर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट हमें उद्यम संबंधी गतिविधियों की शुरुआत करने में अत्यंत ही सहायक होता है। इसके आधार पर हम अपनी परियोजना का सही-सही आकलन कर पाने में सक्षम हो पाते हैं। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट वित्त संबंधी एवं सरकारी अथवा गैर सरकारी अनुमति प्राप्त करने में भी सहायक होता है। इस बीच प्रशिक्षुओं को एक अच्छी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करना भी सिखाया गया। साथ ही बताया गया कि एक अच्छी परियोजना रिपोर्ट को तैयार करना जितना महत्वपूर्ण है उतना ही महत्वपूर्ण उसका प्रस्तुतीकरण भी है। प्रस्तुतीकरण सहज और सरल हो जिससे हम अपनी नवाचार एवं स्टार्टअप की सही जानकारी को सामने वाले के साथ प्रेषित कर सकें।



## व्यवसाय की योजना बनाने की जानकारी दी



हल्द्वानी। गौलापार महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत आयोजित प्रशिक्षण में शनिवार को भारतीय उद्यमिता संस्थान के कमल और नमिता ने प्रशिक्षुओं को उद्यमिता में प्रारंभिक व्यवसाय योजना तैयार करने की जानकारी दी। बताया कि बेहतर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट उद्यम संबंधी गतिविधियों की शुरुआत करने में सहायक होती है। संवाद

# छात्रों को स्वरोजगार की सम्भावनाएं बताई

## 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम शुरू

उत्तर उजाला संवाददाता

हल्द्वानी। राजकीय महाविद्यालय किशनपुर गौलापार में उच्च शिक्षा विभाग और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के सहयोग से देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम शुरू हो गया है। उद्यमिता में रुचि रखने वाले छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय युवाओं को अपने उद्यम की शुरुआत करने के उद्देश्य से 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। सोमवार को कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डा. संजय कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्राचार्य डा. संजय कुमार ने कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए सभी को अधिक से अधिक प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। बताया कि आज स्वरोजगार के क्षेत्र में असीम सम्भावनाएं हैं। छात्र-छात्राएं उद्यमिता विकास कार्यक्रम से लाभान्वित होकर स्वरोजगार की नींव डाल कर रोजगार दाता की

भूमिका में आ सकते हैं। इसके अलावा उन्होंने उद्यमिता की अवधारणा, उद्यमी का अर्थ एवं उद्यमी के गुण के बारे में विस्तार से समझाया। वरिष्ठ प्रो. कैलाश चंद कलौनी ने कहा कि भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने में युवा उद्यमियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। वरिष्ठ प्राध्यापक डा. दीप चंद्र पांडेय ने उत्तराखंड में उद्यमिता की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने 12 दिवसीय कैम्प की महत्ता बताते हुए बाजार, स्वरोजगार, प्रतिस्पर्धा, उद्यमिता कौशल को निखारने में प्रशिक्षण कार्यक्रमों की महत्ता को विस्तार से समझाया। कार्यक्रम में भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद से विशेषज्ञ के रूप में राहुल भाम्भानी ने छात्र-छात्राओं को नये उद्यम शुरू करने के लिये प्रेरित किया। देवभूमि उद्यमिता योजना के महाविद्यालय नोडल अधिकारी डा. आशीष अंशु ने उद्यमिता विकास कार्यक्रम के उद्देश्य, राज्य सरकार की नवीन पहल देव भूमि उद्यमिता योजना एवं उद्यमिता प्रशिक्षण के क्षेत्र में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के महत्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान प्रतिभागी छात्र मौजूद रहे।

# सफल उद्यमी के गुणों पर की चर्चा

हल्द्वानी। राजकीय महाविद्यालय हल्द्वानी शहर, किशनपुर गौलापार में उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखंड एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के सहयोग से देवभूमि उद्यमिता योजना के अन्तर्गत 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम में सन्दर्भदाता डा. प्रकाश चंद मठपाल ने प्रशिक्षुओं के साथ एक सफल उद्यमी की आवश्यकताओं, अवसर और चुनौतियों पर परिचर्चा की। कहा कि उद्यमी को अपने संसाधनों का आकलन करना आवश्यक है। उद्यमिता हेतु कभी देर नहीं होती। काम की शुरुआत करनी आवश्यक है। इसके बाद प्रशिक्षुओं को औद्योगिक भ्रमण के लिए बेलवाल भोग औद्योगिक परिसर का भ्रमण कराया गया। जहां उन्होंने सरसों तेल, आटा, सूजी, दलिया, मैदा, बेसन एवं सब्जी मसाले के उत्पादन से संबंधित गतिविधियों को देखा। इस अवसर पर बेलवाल भोग के चेयरमैन डा. मुकेश बेलवाल ने प्रशिक्षुओं का मार्गदर्शन किया।

---

# प्रशिक्षक अनिल पांडे ने छात्राओं को डिजिटल मार्केटिंग के बारे में जानकारी दी

स.संपादक शिवाकांत पाठक उत्तराखण्ड। आज दिनांक 4 मार्च 2024 को इंदिरा प्रियदर्शिनी राजकीय स्नातकोत्तर महिला वाणिज्य महाविद्यालय हल्द्वानी में चल रहे प्रथम उद्यमिता विकास कार्यक्रम के

संभावित कस्टमर्स को प्रोडक्ट या सर्विस के बारे में बताकर सेल्स बढ़ाई जाती है। अतः किसी भी कंपनी के रेवेन्यू में मार्केटिंग की अहम भूमिका होती है। बिजनेस का गोल तय करने में मदद रू कोई भी

लक्ष्यों को प्राप्त करने की यो कैसे बनाते हैं। इसमें उद्यमी अपने अपनाई जाने वाली दिशा साथ-साथ उसके द्वारा ऐसा व के लिए उपयोग किए जाने वा ष्टिकोण का भी उल्लेख ह चाहिए।



आठवें दिन प्रशिक्षक अनिल पांडे ने छात्राओं को डिजिटल मार्केटिंग के बारे में जानकारी दी और उसके महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि मार्केटिंग एक द्वारा ही

कंपनी मार्केटिंग के द्वारा ही कस्टमर की मांग और जरूरतों को समझ पाती है। उन्होंने बताया कि एक स्टार्टअप मार्केटिंग रणनीति यह बताती है कि आप अपने व्यावसायिक

उद्यमी अपनी मार्केटिंग रण को अपने व्यवसाय के लिए रोड मैप के रूप में सोचें। इ बाद उन्होंने वेस्ट मैनेजमेंट को ले छात्राओं को जागरूक किया र ही वेस्ट से और कृषि उत्पाद उत्पादन कैसे कर सकते हैं जै गोबर से दिया और धूप कैसे ब जा सकते हैं उसके बारे में बता इसके बाद उन्होंने छात्राओं क षि उत्पादों के उत्पादन के भी प्रोत्साहित किया। इस अव पर डॉ० रितुराज पंत, डॉ० न जोशी डॉ० गीता पंत डॉ० फ नेगी डॉ० राजेश चौनाल उ उपस्थित रहे।

---

# स्टार्टअप से उद्योग शुरू करने की दी जानकारी

हल्द्वानी। राजकीय महाविद्यालय किशनपुर गौलापार में 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम के दूसरे दिन मंगलवार को प्रथम सत्र में रिसोर्स पर्सन प्रकाश बिष्ट ने प्रशिक्षुओं के साथ उद्यमिता नवाचार और स्टार्ट अप विषय पर अपने विचार साझा किये। उन्होंने कहा कि उद्यमिता हेतु नये विचारों का सृजन और नये तरीके से सोचना आवश्यक है। नवाचार के माध्यम से अपने उत्पाद को बेहतर बना सकते हैं और उसकी गुणवत्ता सुनिश्चित कर सकते हैं। नवाचार और स्टार्ट अप के बेहतर क्रियान्वयन हेतु तकनीक का हम बेहतर इस्तेमाल कर सकते हैं। दूसरे सत्र में डा. आशीष अंशु ने उद्यम की स्थापना के लिए आवश्यक आवश्यकताओं पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षुओं के साथ बिजनेस कैनवास मॉडल को साझा करते हुए नये रोजगार के सृजन में उसके महत्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित किया। वहीं, प्रशिक्षुओं ने नवाचार एवं स्टार्टअप हेतु आने वाली चुनौतियों और उसके निष्पादन के संबंध में रिसोर्स पर्सन से मार्गदर्शन प्राप्त किया।

# राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय पैठाणी में उद्यमिता विकास कार्यक्रम ( ईडीपी ) का बारहवां दिवस-समापन समारोह

गबर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/पैठाणी/श्रीनगर गढ़वाल ( सबसे तेज प्रधान टाइम्स )। उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखण्ड एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के सहयोग से आज दिनांक 15 मार्च 2024 को राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय बनास, पैठाणी पौड़ी गढ़वाल के परिसर में स्थापित देवभूमि उद्यमिता विकास केंद्र में 12 -दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम के बहारवे दिवस पर महाविद्यालय के प्राचार्य एवं संरक्षक प्रोफेसर डी.एस.नेगी ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए छात्र- छात्राओं को उद्यमिता को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलाए जा रहे इस तरह के कार्यक्रम छात्र-छात्राओं के सफल भविष्य के निर्माण में मील का पत्थर साबित होंगे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के



रूप में महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता योजना के नोडल अधिकारी एवं मेंटर गौरव जोशी ने उद्यमिता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम दिवस से बारहवे दिवस तक किए गए समस्त क्रियाकलापों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया एवं 12- दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभाग करने वाले समस्त मुख्य अतिथियों, मुख्य वक्ताओं, प्राध्यापकों, कार्यालय स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं का हार्दिक आभार एवं धन्यवाद प्रेषित किया। द्वितीय वक्ता के रूप में EDII देहरादून से आए सिद्धार्थ

रावत के निर्देशन में समस्त छात्र-छात्राओं द्वारा अपने-अपने फीडबैक रिपोर्ट को तैयार किया गया। महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ.सुधीर कोठियाल ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। इस उद्यमिता विकास कार्यक्रम में राजकीय व्यवसायिक महाविद्यालय पैठाणी के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ स्थानीय उद्यमियों, गणमान्य व्यक्तियों, समाज सेवको, जनप्रतिनिधियों, प्राध्यापको, ऑफिस स्टाप आदि ने बढ़-चढ़कर कर प्रतिभाग किया है।

# राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय पैठाणी में उद्यमिता विकास कार्यक्रम ( ईडीपी ) का द्वितीय दिवस

गबर सिंह भंडारी

हरिद्वार/ पैठाणी/श्रीनगर गढ़वाल ( सबसे तेज प्रधान टाइम्स )। उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखण्ड एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के सहयोग से आज दिनांक 2 मार्च 2024 को राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय बनास, पैठाणी पौड़ी गढ़वाल के परिसर में स्थापित देवभूमि उद्यमिता विकास केंद्र में 12 -दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम के द्वितीय दिवस पर महाविद्यालय के प्राचार्य एवं संरक्षक प्रोफेसर.डी.एस.नेगी एवं मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त खंड विकास अधिकारी आशा राम पंत ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डी.एस.नेगी ने बताया कि हमें ईमानदारी से और अपनी क्षमतानुसार उद्यमिता को अपनाना चाहिए जिससे हम दूसरो को भी रोजगार दे सके। मुख्य अतिथि आशा राम पंत पूर्व खंड विकास अधिकारी एवं केशवानंद नौटियाल ने अपने-अपने स्टार्टअप बागवानी एवं मत्स्य पालन के बारे में एवं अपने जीवन की शुरुआत से लेकर वर्तमान तक की उद्यमिता यात्रा एवं अनुभव को विस्तार से छात्र-छात्राओं के समक्ष साझा किया। महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता योजना के नोडल अधिकारी एवं



मेंटर गौरव जोशी ने छात्र-छात्राओं से वर्तमान समय की मांग क्या है और हम किस-किस क्षेत्र में स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं, इस विषय पर अपने विचार साझा किये। उन्होंने छात्र-छात्राओं को उद्यमिता योजना के क्षेत्र में योगदान देने वाली विभिन्न एजेंसियों की भूमिका एवं उनकी योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय में प्रबंधन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.मनदीप असवाल ने उद्यमिता के लिए आयडिया,समस्या का समाधान, बिजनेस वैल्यू, ब्रांडिंग, फंडिंग, शिक्षा, प्रोडक्ट, आईटी आदि महत्वपूर्ण बिंदुओं के बारे में विस्तार से बताया। महाविद्यालय में वनस्पति विज्ञान के प्राध्यापक डॉ.प्रकाश फोंदणी ने उद्यमिता की स्थापना के लिए मूलभूत आवश्यकताओं के बारे में छात्र-छात्राओं को महत्वपूर्ण

जानकारी दी तथा कहा कि व्यवसायी की सकारात्मक सोच, कठिन परिश्रम,ईमानदारी,धैर्य, कल्पना करने की क्षमता आदि होनी चाहिए जबकि व्यवसाय के लिए उचित चयन, क्षमता, रचनात्मकता, समस्या का समाधान, कुशल नेतृत्व,संचार क्षमता,लीगल लाइसेंस आदि होना चाहिए तथा साथ ही साथ कार्यक्रम का सफल संचालन भी किया।

इस उद्यमिता विकास कार्यक्रम में राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय पैठाणी के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ स्थानीय उद्यमियों,गणमान्य व्यक्तियों, समाज सेवको, जनप्रतिनिधियों,प्राध्यापको, ऑफिस स्टाप आदि ने बढ़-चढ़कर कर प्रतिभाग किया और उद्यमिता से संबंधित अपने आइडिया भी शेयर किये।

## देवभूमि उद्यमिता केंद्र द्वारा 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन

बुलन्द बाणी संजय राजपूत

**ऋषिकेश।** श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के देवभूमि उद्यमिता केंद्र द्वारा देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत छात्रों के उद्यमी विकास के लिए 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम के शुभारंभ किया गया।

इस अवसर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए पर केमस निदेशक प्रोफेसर एम.एस. रावला ने बताया कि यह केंद्र नए रोजगार के अवसर प्रदान करने

में सहायक होता और राज्य के युवा पीढ़ी को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यह कार्यक्रम नवाचार को बढ़ावा देने, छात्रों को को सशक्त बनाने और उत्तराखंड राज्य में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के प्रति देवभूमि उद्यमिता केंद्र और उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद को सामूहिक प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है। इस योजना से उमीद है कि यह उत्तराखंड के उद्यमिता क्षेत्र में छात्रों को पोषित करेगी जो अपने



लिए और दूसरों के लिए रोजगार के अवसर बना सकते हैं। देवभूमि उद्यमिता योजना, की नोडल अधिकारी, प्रोफेसर अमिता शोभर ने योजना के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की और छात्रों को उद्यमिता के महत्व

को समझाया। उन्होंने कहा इस उद्यमी विकास कार्यक्रम में छात्रों को उनके प्रशिक्षण के दौरान पिचिंग इवेंट्स और सोड फंडिंग के बारे में जानकारी मिलेगी। उत्तराखंड सरकार ने राज्य के छात्रों के लिए देवभूमि उद्यमिता

योजना को लागू किया है, जिसे 'उत्तराखंड मुख्यमंत्री उद्यमिता योजना' भी कहा जाता है। इस योजना का उद्देश्य छात्रों को विभिन्न लाभ प्रदान करना है। इस योजना का प्रमुख लाभ उत्तराखंड के डिग्री कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों को है। यह प्रशिक्षण छात्रों को उनके अध्ययन पूरा करने के बाद स्वरोजगार के अवसरों की ओर मुड़ करता है, जिससे उत्तराखंड में बेरोजगारी को कम किया जा सके और राज्य में उद्यमिता को बढ़ावा दिया जा

सके। इस पहल का उद्देश्य युवा को उसके व्यापार स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करना है। प्रोफेसर तोमर ने कहा कि यदि आप उत्तराखंड के युवा हैं और रोजगार की खोज में हैं, तो यह योजना आपके लिए बहुत लाभकारी साबित हो सकती है। इसके परिणामस्वरूप, आने वाले समय में उत्तराखंड में बेरोजगारी की दर को कम करने का कारण बन सकता है। इसके माध्यम से राज्य की आर्थिक वृद्धि और सामाजिक विकास होगा।

## उद्यमिता विकास अविष्कारी नियति : जोशी



**ऋषिकेश।** श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के पं. ललित मोहन शर्मा परिसर में आयोजित उद्यमिता विकास कार्यक्रम के 10वें दिन उद्यमिता और व्यवसाय प्रबंधन पर विशेषज्ञों ने विचार व्यक्त किया। विवि के कुलपति प्रो. एनके जोशी ने कहा कि तेजी से बदलते व्यावसायिक परिदृश्य में उद्यमिता विकास अविष्कारी नियति है। सिद्धार्थ रावत ने प्रतिभागियों के साथ उद्यमशीलता यात्रा साझा की। चुनौतियों पर काबू पाने और अवसरों का लाभ उठाने के उनके प्रत्यक्ष विवरण ने महत्वाकांक्षी उद्यमियों को गहराई से प्रभावित किया। संवाद

## राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय पैठाणी में उद्यमिता विकास कार्यक्रम का षष्ठम दिवस सम्पन्न

सुनन्द तानी/संज्ञक राजपूत

**पैठाणी।** उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखण्ड एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के सहयोग से आज दिनांक 7 मार्च 2024 को राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय अनास, पैठाणी शैली गुरुकुल के परिसर में स्वर्णिम देवभूमि उद्यमिता विकास केंद्र में 12-दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम के षष्ठम दिवस पर महाविद्यालय के प्राचार्य एवं संयोजक प्रो. ए.के. सिंह जी ने सभी अधिकारियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए छात्र-छात्राओं को उद्यमिता को अवसर प्रदान करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के



निवेदन और मुकुल बेदी ने इलेक्ट्रॉनिक एवं रसायनिक लॉजिस्टिक्स से छात्र-छात्राओं को उद्यमिता के लिए उत्साहित, प्रेरणित और प्रेरित करने पर अपना कहलव दिया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को उद्यमिता में सम्मिलित प्रेरित करने हेतु सख्त एकीकृत एवं 7 एमपीएल पंजी की विलुप्त रूप से

जायकारी दीर्घायी संभवान से मुक्ति प्रेषित के रूप में जो विद्यार्थी छात्र ने उद्यमिता स्वीकार करने के आवश्यक प्रोजेक्ट प्रोपोजल को तैयार करने की विलुप्त स्वीकृती की। महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता विकास के विद्यमान अधिकारियों एवं केंद्र की सौच जेसे ने सख

दिवस के कार्यक्रम की सफलता पर सखि विचार व्यक्त किए एवं उद्यमिता हेतु सखु निवेदन की प्रेरणा पर प्रेरित उत्तर। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आरके शंभरी एवं डॉ. सुकेर कोठियार ने भी अधिकारियों को धन्यवाद जर्षिया किया।

महाविद्यालय में सम्मिलित विद्यमान के प्राचार्य डॉ. इन्द्रजित शोदी ने कार्यक्रम का सफल संघटन किया। इस उद्यमिता विकास कार्यक्रम में राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय पैठाणी के छात्र छात्राओं के साथ-साथ स्थानीय उद्यमियों, एमपीएल अधिकारियों, सराज संयोजी, उद्यमिताधिकारियों, प्राध्यापकों, अधिकारियों आदि ने सह-सदृश पर प्रेषित किया है।

### भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान ने आयोजित किया 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

नई टिहरी, राजकीय महाविद्यालय खाड़ी टिहरी गढ़वाल में मंगलवार को देवभूमि उद्यमिता विकास योजना के तहत भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद और उत्तराखण्ड सरकार के संयुक्त तत्वाधान में 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रारम्भ



संस्वती माता के समक्ष दीप जलाकर किया गया।

कार्यक्रम का प्रारम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ए.के. सिंह जी एवं अहमदाबाद से आए हुए अथिति श्री सिद्धार्थ रावत एवम् श्री मार्टिन दास के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की उद्यमिता विकास की नोडल अधिकारी श्रीमती मीना के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रो. निरंजना शर्मा, डॉ. ईरा सिंह, डॉ. देशराज सिंह, डॉ. अनुराधा, डॉ. आरती अरोरा सहित अनेक महिलाएं, एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।



# सफल उद्यमी बनने के लिए अनुशासन जरूरी



द्वाराहाट महाविद्यालय में कार्यक्रम में मौजूद प्रतिभागी और अन्य। संवाद

द्वाराहाट (अल्मोड़ा)। उच्च शिक्षा और भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद गुजरात की ओर से द्वाराहाट महाविद्यालय में 12 दिनी उद्यमिता विकास कार्यशाला का समापन हुआ।

प्रतिभागियों को वक्ताओं ने बताया कि सफल उद्यमी बनने के लिए

अनुशासन जरूरी है।

वहां पर महाविद्यालय के संरक्षक प्राचार्य प्रो. धन सिंह कुंवर, सिविल जज राजेंद्र कुमार, अवनीश कुमार, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. सुनील पांडे, नोडल अधिकारी डॉ. प्रकाश चंद्र, डॉ. अंजुम अली आदि थे। संवाद

## उद्यमिता में नवाचार की दी जानकारी

गदरपुर। राजकीय महाविद्यालय में चल रहे देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के छठे दिन जसपाल डोगरा ने प्रशिक्षुओं को व्यावसायिक अवसर के पहचान पर व्याख्यान दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पहुंचे साहिल कुमार ने उद्यमिता में नवाचार एवं नेतृत्व के विषय पर प्रशिक्षुओं को जानकारी दी। दूसरे बैच के तीसरे दिन पुर्णानंद डिग्री कॉलेज आफ टेक्निकल एजुकेशन ऋषिकेश से पहुंचे डा. प्रभुनाथ प्रसाद स्वामी ने उद्यमिता की अवधारणा, महत्व उद्यमी के गुण उद्यमिता के लक्षण के विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया। इस मौके पर महाविद्यालय परिसर में सुझाव पेट्री का भी लगाई गई। प्राचार्य डा. शर्मिला सक्सेना ने कहा की छात्र और छात्राएं अपने सुझाव दे सकते हैं। इस अवसर पर नोडल अधिकारी डा. अशोक कुमार, डा. प्रमोद वर्मा, डा. श्रीहरि प्रसाद, बृजेश पांडे, विजय गिरी, मदन सिंह आदि उपस्थित थे।

## युवाओं को स्वरोजगार की दी गई जानकारी

जागरण संवाददाता, रुद्रपुर : उद्यमिता योजना के अंतर्गत एसबीएस महाविद्यालय के छात्रों को स्टार्टअप की जानकारी दी गई। साथ ही बताया गया कि वर्तमान स्वरोजगार का है। ऐसे में युवा नौकरी लेने के बजाय देने वाले बनें।

सरदार भगत सिंह (एसबीएस) राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का समापन हो गया है। आयोजन में महाविद्यालय के 150 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था। समापन अवसर पर महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डा. डीसी पंत और उद्यमिता विकास कार्यक्रम की ओर से आई मंजरी राठौर ने विद्यार्थियों को व्यावसायिक अवसर की पहचान पर व्याख्यान दिया। साथ ही उद्यमिता की अवधारणा, महत्व, उद्यमी के गुण और उद्यमिता के लक्षण विषय की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 12 दिन तक चले कार्यक्रम में प्रत्येक दिन बाहर से वक्ताओं को बुलाया गया था।

इस अवसर पर डा. पीएन तिवारी, डा. इंदू शेखर ममगई, डा. आशीष गुप्ता, साहिल सेठी समेत तमाम लोग थे।

# बाजार सर्वेक्षण की दी जानकारी

गदरपुर। राजकीय महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत चल रहे उद्यमिता विकास कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं को व्यावसायिक अवसर की पहचान एवं बाजार सर्वेक्षण पर व्याख्यान दिया गया।

सिक्स सिग्मा इंस्टीट्यूट के प्राचार्य डॉ. ललित सिंह बिष्ट ने बताया किसी भी व्यापार को आगे बढ़ाने में बाजार की अहम भूमिका होती है। इससे पूर्व अटल उत्कृष्ट जीआईसी के प्रधानाचार्य परशुराम दिवाकर ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

वहां प्राचार्य प्रोफेसर शर्मिला सक्सेना, डॉ मंजरी राठौर, डॉ. अशोक कुमार, श्रीहरि प्रसाद, डॉ. तनुजा परिहार, प्रभजोत कौर, राजीव पपनेजा, बृजेश पांडे आदि मौजूद थे। संवाद

## उद्यमिता में नवाचार और नेतृत्व विषय पर प्रशिक्षुओं को दी जानकारी

संवाद न्यूज एजेंसी

गदरपुर। राजकीय महाविद्यालय में चल रहे देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के छठवें दिन जसपाल डोगरा ने प्रशिक्षुओं को व्यावसायिक अवसर के पहचान पर व्याख्यान दिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में पहुंचे साहिल कुमार ने उद्यमिता में नवाचार एवं नेतृत्व के विषय पर प्रशिक्षुओं को जानकारी दी। दूसरे बैच के तीसरे दिन पूर्णानंद डिग्री कॉलेज आफ टेक्निकल एजुकेशन ऋषिकेश से पहुंचे डॉ. प्रभुनाथ प्रसाद स्वामी ने उद्यमिता की अवधारणा, महत्व उद्यमी के गुण उद्यमिता के लक्षण के विषय

पर विस्तृत व्याख्यान दिया।

इस मौके पर महाविद्यालय परिसर में सुझाव पेट्री का भी लगाई गई प्राचार्य डॉ. शर्मिला सक्सेना ने कहा की छात्र और छात्राएं अपने सुझाव दे सकते हैं। वहां नोडल अधिकारी डॉ. अशोक कुमार, डॉ. प्रमोद वर्मा, डा. श्रीहरि प्रसाद, बृजेश पांडे, विजय गिरी, मदन सिंह आदि मौजूद थे।

# छात्र छात्राओं ने अनहद इंडस्ट्रीज का किया भ्रमण

गदरपुर। देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत डिग्री कॉलेज गदरपुर के छात्र-छात्राओं ने अनहद ग्रुप आफ इंडस्ट्रीज का भ्रमण किया। बुधवार को डिग्री कॉलेज में चल रहे उद्यमिता प्रशिक्षण के नौवें दिन प्रशिक्षु छात्र छात्राओं का दल उद्यमिता विकास संस्थान की सदस्य मंजरी राठौर के दिशा निर्देशन में ग्राम पिपलिया नंबर एक स्थित अनहद ग्रुप आफ इंडस्ट्रीज पहुंचा।

संस्थान के एचआर मैनेजर अनिल अरोरा और क्वालिटी मैनेजर शगुन बत्रा ने छात्र-छात्राओं को आधुनिक मशीनों से बनने वाले गत्ते के बॉक्स के बारे में विस्तारपूर्वक

बताया। उन्होंने छात्र छात्राओं को बॉयलर, निर्माण प्रक्रिया, प्रिंटिंग और क्वालिटी टेस्ट के बारे में जानकारी दी। मंजरी राठौर ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को रोजगार के प्रति जागरूक करना है। ताकि वे भविष्य में अपना उद्यम स्थापित करने में रुचि लें। अनहद इंडस्ट्रीज के एमडी लवली हुड़िया ने कहा कि देवभूमि उद्यमिता योजना युवाओं को रोजगार के सृजन में मील का पत्थर साबित होगी।

इस मौके पर प्रदीप कुमार फुटेला, मो. इलियास, बृजेश कुमार, अनिकेत गुप्ता, कुलवीर सिंह, प्रीति, गुलफिजा, नीलम सक्सेना आदि मौजूद थे।

# राधेहरि महाविद्यालय में 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

काशीपुर एक्सप्रेस, काशीपुर

काशीपुर। राधे हरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता योजना के अन्तर्गत चल रहे 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में शहर के विभिन्न विशेषज्ञों ने प्रशिक्षुओं को व्यावसायिक अवसर की पहचान पर व्याख्यान दिए। शुक्रवार नौवें दिन उद्यमिता विकास की ओर से अविनाश गुप्ता व मंजरी राठौर ने प्रशिक्षुओं को रुद्रपुर इंडस्ट्रीयल एरिया में स्थित बेलराइज इंडस्ट्रीज का भ्रमण कराया। इंडस्ट्री के नियर मैनेजर कृष्णा मिश्रा ने कंपनी के प्रॉडक्ट्स के बारे में विस्तार से जानकारी दी। भ्रमण दल 45 छात्र-छात्राएं शामिल रहे। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विनोद प्रकाश अग्रवाल ने उद्यमिता के महत्व, गुण व लक्षण विषय पर जानकारी दी।

## प्रशिक्षुओं को स्टार्टअप के बारे में दी जानकारी

जागरण संवाददाता • काशीपुर :  
राधेहरि पीजी कालेज में देवभूमि  
उद्यमिता योजना के तहत चल रहे  
12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का  
समापन हो गया। इस दौरान  
प्रशिक्षुओं को स्टार्टअप के बारे में  
जानकारी दी गई।

शुक्रवार को समापन अवसर पर  
उद्यमिता विकास की ओर से मंजरी  
राठौर ने प्रशिक्षुओं को स्टार्टअप की  
जानकारी दी। उद्यमिता विकास के  
अविनाश गुप्ता ने बताया की प्रोग्राम  
का उद्देश्य छात्रों को नए अवसर  
की पहचान और उद्यमिता के  
महत्व एवं उद्यमिता के लक्षण की  
जानकारी देना था। ताकि वे भविष्य  
में उद्योग स्थापित करने में रुचि ले  
सकें। समापन समारोह में कालेज  
के प्रो. सुभाष चंद्र कुशवाह, प्रो.  
आदित्य प्रकाश सिंह ने प्रशिक्षुओं  
को प्रोत्साहन किया।

# ईडीपी से सृजनात्मकता बढ़ाने में मिलेगी मदद

एसबीएस महाविद्यालय में 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम में बोले वक्ता, बीबीए-बीकॉम के विद्यार्थी कर रहे प्रतिभाग



कार्यक्रम

संवाददाता, रुद्रपुर

**अमृत विचार :** सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुद्रपुर में जिला उद्योग केंद्र की ओर से 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) का शुभारंभ हो गया है। इसमें बीबीए और बीकॉम के 45 विद्यार्थी प्रतिभाग कर रहे हैं।

गुरुवार को महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उद्यमिता विकास कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रो. पीएन तिवारी ने समय की उपयोगिता पर विचार प्रस्तुत किए। साथ ही कहा कि यह कार्यक्रम उद्यमिता शुरू करने का एक अवसर है। उद्यमियों को तकनीकी ज्ञान, प्रशासनिक समर्थन और वित्तीय संरचना के लिए संगठनों के साथ साझा करने का इरादा रखते हैं। यह पहल उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। साथ ही



कार्यक्रम को संबोधित करते नोडल अधिकारी ईडीपी प्रो. पीएन तिवारी व कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी। • अमृत विचार

## 138 लाभार्थी होंगे लाभान्वित, 100 से अधिक महिलाएं बनेंगी लखपति दीदी

रुद्रपुर। मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि पशुपालन विभाग की ओर से मुख्यमंत्री राज्य पशुधन मिशन के उद्यमिता विकास योजना के तहत जनपद में 138 लाभार्थियों को योजना से लाभान्वित किया जा रहा है। जिसमें से 100 से अधिक महिलाएं

लखपति दीदी बनेंगी। गुरुवार को यह जानकारी देते हुए सीडीओ ने बताया कि योजना के तहत एनआरएलएम व स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिला को गाय, भैस, बकरी, सूकर पालन एवं ब्रायलर, लेयर कुक्कुट पालन के लिए बैकों के माध्यम से 90 प्रतिशत

ब्याज छूट पर ऋण दिया जा रहा है। इससे पशुपालन से जुड़ी महिलाएं दुग्ध उत्पादन, अंडा उत्पादन कर आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनेंगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में लाभार्थियों को हाउस ऑफ हिमालय से जोड़कर उनके उत्पादों के विपणन में भी सहायता की जाएगी।

नए व्यवसायों की सृजनात्मकता को बढ़ाने में मदद करेगा। कार्यक्रम में उद्यमी संजीव भटनागर, रिसोर्स पर्सन कविता एवं चारू चंद्रा ने कहा कि यह

कार्यक्रम उद्यमिता को बढ़ावा देने, नए उद्यमियों को समर्थन प्रदान करने और व्यावसायिक क्षमता को बढ़ाने के लिए उद्योग के अंदर निवेश को बढ़ाने का उद्देश्य रखता

है। उद्यमी संजीव भटनागर अपने अनुभव विद्यार्थियों को साझा किए। इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ. आशीष कुमार गुप्ता, बीबीए फैकल्टी के विकास पडलिया,

गुंजन कालरा, सपना ठाकुर, डॉ. रवीश त्रिपाठी, प्रो. हरीश चंद्र, प्रो. प्रवींद्र कुमार सैनी, प्रो. हेमलता सैनी, प्रो. रेनु रानी, डॉ. वकार हसन खान समेत कई लोग मौजूद रहे।

# ईडीपी प्रशिक्षण का शुभारम्भ

गदरपुर (उद संवाददाता)। राजकीय महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत संचालित 12 दिवसीय ईडीपी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय

की प्राचार्य  
प्रोफेसर शर्मिला  
सक्सेना एवं  
मंजूलिका राठौर  
द्वारा दीप  
प्रज्वलित कर  
किया गया। इस  
कार्यक्रम में  
डॉक्टर अशोक  
कुमार, नोडल



अधिकारी देवभूमि उद्यमिता योजना महाविद्यालय के प्राध्यापकों में डॉ. अर्चना वर्मा,  
डॉ. प्रमोद वर्मा, डॉ. श्रीहरि प्रसाद, डॉ. तनुजा परिहार, सुश्री प्रभजोत कौर, एवं प्रथम  
बैच में पंजीकृत 40 महाविद्यालय के छात्र छात्रा एवं पांच अन्य प्रशिक्षु उपस्थित रहे।